ये अव्यक्त इशारे

सन्तुष्टमणि बन सदा सन्तुष्ट रहो और सबको सन्तुष्ट करो

28-12-2024

सन्तुष्टता ब्राह्मणों का विशेष लक्षण है। स्वयं से भी सन्तुष्ट और औरों से भी सन्तुष्ट रहो। जो पार्ट मिला है उसमें सन्तुष्ट रहना ही आगे बढ़ना है। कितना भी कड़ा पेपर आ जाये लेकिन सन्तुष्ट रहना है और सन्तुष्ट करना है। अपने अनादि स्वरूप में स्थित होने से स्वयं भी स्वयं से सन्तुष्ट रहेंगे और औरों को भी सन्तुष्टता की विशेषता अनुभव कराते रहेंगे।

Be a jewel of contentment, always remain content and make everyone content.

Contentment is the special qualification of Brahmins. Remain content with the self and also with others. To remain content with the part you have received is to move forward. No matter how big a paper comes in front of you, remain content and make others content. By remaining stable in your eternal form, you will be content with yourself and you will continue to give others the experience of the speciality of contentment.